CBSE Class 09 Hindi A
Sample Paper 01 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है। संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं, किंतु बाह्य उपादानों में अंतर अवश्य आता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है, अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं, संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।

अपनी संस्कृति को छोड़, विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुँच रही है, वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्भुत क्षमता रही है। अत: आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवनशक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

i. आधुनिक युग में संस्कृतियों पर परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण बताइए। **(2)**
ii. हम अपनी संस्कृति के प्रति शंकालु क्यों हो गए हैं? **(2)**
iii. राष्ट्रीय संस्कृति की हमारे प्रति सबसे बड़ी देन क्या है? **(2)**
iv. हम अपनी सांस्कृतिक संपदा की उपेक्षा क्यों नहीं कर सकते? **(2)**
v. अज्ञान का पर्याय क्या है? **(1)**
vi. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'हीन' प्रत्यययुक्त शब्द है -
   a. सिंहनी
   b. मोरनी
   c. शेरनी
   d. बुद्धिहीन
3. 'मानसिकता' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
   a. मन + इकता
   b. मानसिक + ता
   c. मानस + इकता
   d. मान + सिकता
4. 'व्याकरण' और 'अप्रत्यक्ष' शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए ।
   a. वि + आकरण , अप्रती + अक्ष
   b. 'वि + आ + करण' और 'अ + प्रति + अक्ष'
   c. व्या + करण , अप्रत्य + अक्ष
   d. वि + आकर्ण , अप्र + तक्ष
5. 'परिप्रश्न' में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए।
   a. परिप्र + शन
   b. परि + प्रशन
   c. प्र + प्रश्न
   d. परि + प्रश्न
6. 'नीलगाय' शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
   a. नील गाय - समास विग्रह
      द्विगु समास - समास का नाम
   b. नीली है जो गाय - समास विग्रह
      कर्मधारय समास - समास का नाम
   c. गाय नीली - समास विग्रह
      द्वंद्व समास - समास का नाम
   d. नीली है जो गाय - समास विग्रह
      बहुव्रीहि समास - समास का नाम
7. 'घन के समान श्याम हैं जो अर्थात श्रीकृष्ण' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।
   a. घनश्याम - समस्त पद
      कर्म तत्पुरुष समास - समास का नाम

b. घनश्याम - समस्त पद

कर्मधारय समास - समास का नाम

c. घनश्याम - समस्त पद

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

d. घनश्याम - समस्त पद

द्वंद्व समास - समास का नाम

8. 'बंधन से मुक्त' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

a. मुक्तबंधन - समस्त पद

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

b. मुक्तबंधन - समस्त पद

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. बंधनमुक्त - समस्त पद

द्विगु समास - समास का नाम

d. बंधनमुक्त - समस्त पद

अपादान तत्पुरुष समास - समास का नाम

9. 'यथाशक्ति' का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. शक्ति है जो यथा - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

b. यथा है जो शक्ति - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. शक्ति के अनुसार - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

d. शक्ति के अनुसार - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

10. जिन वाक्यों में किसी क्रिया के करने या होने का सामान्य कथन होता है, उन्हें कहते हैं

a. विस्मयादिवाचक वाक्य

b. इच्छावाचक वाक्य

c. आज्ञावाचक वाक्य

d. विधानवाचक वाक्य

11. कर्त्तव्य का पालन करने वाला मनुष्य श्रेष्ठ होता है। - अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताएं।

a. संकेतवाचक वाक्य

b. विधानवाचक वाक्य

c. आज्ञावाचक वाक्य

d. विस्मयादिवाचक वाक्य

12. उस साधु को संबल लेने का हक क्यों दिया गया? - अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताएं।
    a. आज्ञावाचक वाक्य
    b. संकेतवाचक वाक्य
    c. निषेधवाचक वाक्य
    d. प्रश्नवाचक वाक्य
13. जिस वाक्य में घृणा या तिरस्कार का भाव हो, उसे कहते हैं ______
    a. विस्मयादिवाचक वाक्य
    b. इच्छावाचक वाक्य
    c. घृणावाचक वाक्य
    d. तिरस्कार वाचक वाक्य
14. इस पंक्ति में कौन–सा अलंकार है
    'ऊधौ जोग जोग हम नाहीं।'
    a. अनुप्रास
    b. उत्प्रेक्षा
    c. यमक
    d. श्लेष
15. कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए। हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।
    उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
    a. उत्प्रेक्षा
    b. उपमा
    c. रूपक
    d. अतिशयोक्ति
16. निम्नलिखित पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए-
    नील गगन-सा शांत हृदय था रो रहा।
    a. उत्प्रेक्षा
    b. रूपक
    c. उपमा
    d. यमक
17. जहाँ एक या एक से अधिक वर्णों की बार-बार आवृत्ति से चमत्कार उत्पन्न हो, वहां कौन-सा अलंकार होता है?
    a. यमक
    b. श्लेष
    c. उपमा

d. अनुप्रास

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांशों और उनके नीचे दिए गए प्रश्नोत्तरों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-**

गया हड़बड़ाकर भीतर से निकला और बैलों को पकड़ने चला। वे दोनों भागे। गया ने पीछा किया। और भी तेज़ हुए। गया ने शोर मचाया। फिर गाँव के कुछ आदमियों को भी साथ लेने के लिए लौटा। दोनों मित्रों को भागने का मौका मिल गया। सीधे दौड़ते चले गए। यहाँ तक कि मार्ग का ज्ञान न रहा। जिस परिचित मार्ग से आए थे, उसका यहाँ पता न था। नए-नए गाँव मिलने लगे। तब दोनों एक खेत के किनारे खड़े होकर सोचने लगे, अब क्या करना चाहिए।

हीरा ने कहा-मालूम होता है, राह भूल गए।

'तुम भी बेतहाशा भागे। वहीं उसे मार गिराना था।

'उसे मार गिराते, तो दुनिया क्या कहती? वह अपना धर्म छोड़ दे, लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़े?'

प्रश्न

i. गया की हड़बड़ाहट का क्या कारण था? वह बैलों को पकड़ने में सफल क्यों न हुआ?
ii. किसने अपना धर्म छोड़ दिया? हीरा की धर्मनिष्ठा संक्षेप में लिखिए।
iii. दोनों बैल खेत के किनारे किंकर्तव्यविमूढ़ से क्यों खड़े थे?

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?
b. ल्हासा की ओर पाठ में लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?
c. ल्हासा की ओर यात्रा-वृत्तांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द-चित्र प्रस्तुत करें। वहाँ की स्थिति आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?
d. आशय स्पष्ट कीजिए- अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।
e. 'नेम-धरम की कमजोरी होरी के लिए बंधन बन गए'। स्पष्ट कीजिए।

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिधि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चेराइ बिसारौं।।
रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

i. कवि श्री कृष्ण का सानिध्य पाने के लिए किन-किन भौतिक सुखों का त्याग करने को तैयार है?
ii. कवि ब्रज के बन-बाग और तालाब क्यों देखना चाहता है?
iii. काव्यांश से कवि के बारे में क्या पता चलता है?

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. कवयित्री ललद्यद किसे साहब मानती है? वह साहब को पहचानने का क्या उपाय बताती है?

b. 'हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाई' कहकर कबीर ने उपासना पद्धति पर किस प्रकार व्यंग्य किया है?

c. कैदी और कोकिला कविता में कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

d. कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की कौन-सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें वह अब नष्ट करने पर तुली है?

e. रसखान ब्रजभूमि और कृष्ण से जुड़ी वस्तुओं से बहुत प्यार करते हैं, स्पष्ट कीजिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने समाज के लिए क्या संदेश दिया है?

b. दादी ने चोर का जीवन किस प्रकार बदल दिया? मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर लिखिए।

c. रीढ़ की हड्डी शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **विज्ञापन की बढती हुई लोकप्रियता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- विज्ञापन की आवश्यकता
- विज्ञापनों से होने वाले लाभ
- विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

b. **कंप्यूटर हमारा मित्र** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- क्या है
- विद्यार्थियों के लिए उपयोग
- सुझाव

c. **मेरे जीवन का लक्ष्य** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य क्यों हैं?
- बनकर क्या करेंगे?

24. विदेश में रहने वाले मित्र को ग्रीष्मावकाश में भारत के पर्वतीय स्थल के भ्रमण हेतु आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

OR

आपके पिता जी का आगरा से दिल्ली स्थानांतरण हो गया है। आप डी.पी.एस. गुलाबीबाग, दिल्ली के प्रधानाचार्य को रत्नाकर की ओर से प्रार्थना-पत्र लिखिए। जिसमें IX में प्रवेश लेने की प्रार्थना की गई हो।

25. स्वच्छता-अभियान पर माँ-बेटी के बीच संवाद को लिखिए।

OR

रेलवे टिकट विक्रेता और यात्री के मध्य संवाद को लिखिए।

26. **एक नदी का दुख** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

जैसी करनी वैसी भरनी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 Hindi A
Sample Paper 01 (2020-21)

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. आधुनिक युग में संस्कृतियों में परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण यह है कि भिन्न संस्कृतियों के निकट आने के कारण अतिक्रमण एवं विरोध स्वाभाविक है।
   ii. हम अपनी संस्कृति के प्रति शंकालु इसलिए हो गए हैं, क्योंकि नई पीढ़ी ने विदेशी संस्कृति के कुछ तत्वों को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है।
   iii. राष्ट्रीय संस्कृति की हमारे प्रति सबसे बड़ी देन यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा और रीति-नीति से जोड़े रखती है।
   iv. हम अपनी सांस्कृतिक संपदा की उपेक्षा इसलिए नहीं कर सकते, क्योंकि ऐसा करने से हम जडविहीन पौधे के समान हो जाएँगे।
   v. अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।
   vi. शीर्षक-भारतीय संस्कृति का वैचारिक संघर्ष।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (d) बुद्धिहीन

   Explanation: 'बुद्धिहीन' शब्द में 'बुद्धि' मूल शब्द है और 'हीन' प्रत्यय है।
3. (b) मानसिक + ता

   Explanation: 'मानसिकता' शब्द में 'मानसिक' मूल शब्द है और 'ता' प्रत्यय है।
4. (b) 'वि + आ + करण' और 'अ + प्रति + अक्ष'

   Explanation: 'व्याकरण' शब्द में दो उपसर्ग हैं 'वि' और 'आ' । इसमें मूल शब्द 'करण' है इसी प्रकार 'अप्रत्यक्ष' में भी दो उपसर्ग 'अ' व 'प्रति' हैं तथा मूल शब्द 'अक्ष' है ।
5. (d) परि + प्रश्न

   Explanation: 'परिप्रश्न' शब्द में 'परि' उपसर्ग है और 'प्रश्न' मूल शब्द है।
6. (b) नीली है जो गाय - समास विग्रह

   कर्मधारय समास - समास का नाम

   Explanation: इसका समास विग्रह नीली है जो गाय होगा और समास कर्मधारय है क्योंकि यहाँ विशेषण - विशेष्य का संबंध है।
7. (c) घनश्याम - समस्त पद

   बहुव्रीहि समास - समास का नाम

   Explanation: घनश्याम का अन्य अर्थ (श्रीकृष्ण) निकलने के कारण यहाँ बहुव्रीहि समास है।
8. (d) बंधनमुक्त - समस्त पद

अपादान तत्पुरुष समास - समास का नाम

Explanation: 'से'(बंधन से अलग होने का भाव) कारक चिह्न आने के कारण यहाँ अपादान तत्पुरुष कारक है।

9. (d) शक्ति के अनुसार - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

   Explanation: 'यथा' अव्यय होने के कारण यहाँ अव्ययीभाव समास है।

10. (d) विधानवाचक वाक्य

    Explanation: किसी भी कार्य के करने व होने का सामान्य कथन विधानवाचक वाक्य में होता है।

11. (b) विधानवाचक वाक्य

    Explanation: क्रिया के होने/करने का सामान्य कथन है, अतः विधानवाचक वाक्य है।

12. (d) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: प्रस्तुत वाक्य प्रश्नवाचक वाक्य है ।

13. (a) विस्मयादिवाचक वाक्य

    Explanation: घृणा, शोक,विस्मय, क्रोध आदि भाव विस्मयादिवाचक वाक्य द्वारा व्यक्त किये जाते हैं।

14. (c) यमक

    Explanation: यमक I स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में 'जोग' का अर्थ है- 'योग साधना' तथा 'योग्य'। 'जोग' शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार भिन्न अर्थ भिन्न हुई है।अत: यहाँ 'यमक' अलंकार है।

15. (a) उत्प्रेक्षा

    Explanation: उत्प्रेक्षा I स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में एक वस्तु में दूसरी की संभावना की गई है I

16. (c) उपमा

    Explanation: उपमा अलंकार I यहाँ 'शांत हृदय' की तुलना 'नील गगन' से की गई है।

17. (d) अनुप्रास

    Explanation: अनुप्रास I जैसे- मुदित महीपति मंदिर आए। ('म' वर्ण की आवृत्ति बार- बार है)

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. गया की हडबडाहट का कारण यह था कि वह घर में बैठा था कि अचानक उसने सुना, "दोनों फूफावाले बैल भागे जा रहे हैं, ओ दादा!" कहीं बैल भागकर दूर न चले जाएँ, इसलिए गया उन्हें पकड़ने के लिए भागा। वह खुद अकेले बैलों को पकड़ने में सक्षम न था इसलिए अन्य आदमियों को बुलाने के लिए वापस आ गया। तब तक इन दोनों बैलों को भागने का पर्याप्त मौका मिल गया था और वे भाग गए । इससे गया उन्हें नहीं पकड़ पाया।

    ii. गया मनुष्य होकर भी पशुओं के साथ दयालु और मानवीय व्यवहार वाला नहीं था। अपनी मानवता छोड़ वह पशुता पर उतर आता था। उसने हीरा-मोती के साथ सभ्य व्यवहार करने का अपना धर्म छोड़ दिया था। इसके विपरीत हीरा मौका मिलने पर भी गया पर हमला नहीं करता है। पशु होकर भी वह मनुष्य पर सींग न चलाने के अपने धर्म का पालन करता हुआ अपनी धर्मनिष्ठा का प्रमाण प्रस्तुत करता है।

    iii. दोनों बैल खेत के किनारे किंकर्तव्यविमूढ़ से इसलिए खड़े थे क्योंकि जल्दबाज़ी में भागते हुए और खुद को गया की पकड़ में आने से बचाने के लिए वे दोनों दूर पहुँचने के क्रम में वे गलत रास्ते पर चले गए और अपरिचित स्थान पर आ गए थे।

अब दोनों यही सोच रहे थे कि यहाँ से वे कहाँ जाएँ।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. सालिम अली ने तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पास केरल की “साइलेंट वैली” में चलने वाली रेगिस्तानी हवा के कारण पक्षियों को होने वाली समस्या का खाका खींचा | उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण को प्रदूषण के दुष्प्रभाव से बचाने, पक्षियों की रक्षा, वनों की अंधाधुंध कटाई आदि से संबंधित बातें उठाई होंगी। चौधरी चरणसिंह किसान परिवार से थे इसलिए उन्हें धरती से लगाव था | सालिम अली के मुख से ऐसी निःस्वार्थ बातें तथा पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता जानकर चौधरी साहब की आँखें भर आई होंगी।

b. शेकर विहार में सुमति के बहुत से यजमान रहते थे, जिनके पास जाकर सुमति गंडा बाँटते थे। बोधगया से लाए गए इन गंडों को बाँटने में अधिक समय लगता था और लेखक को आगे भी जाना था | उन्होंने सोचा कि वे यदि सुमति वहाँ गए तो वे अधिक समय लगा देंगे इसलिए उन्होंने सुमति को पहली बार यजमानों के पास जाने से रोका।
दूसरी बार लेखक को शेकर विहार के एक मंदिर में बुद्ध वचन अनुवाद 'कंजुर' की 103 पोथियाँ मिल गई थीं। इन भारी-भरकम पोथियों का अध्ययन करने के लिए लेखक को समय की आवश्यकता थी। लेखक ज्ञानार्जन के लिए उन पोथियों में रम चुका था इसलिए उसने दूसरी बार सुमति को रोकने का प्रयास नहीं किया।

c. तिब्बत भारत के उत्तर में स्थित है जो नेपाल का पड़ोसी देश है। इसकी सीमा भारत और चीन से लगती है। यह समुद्रतल से सत्रह-अठारह हजार फीट ऊँचाई पर है। इस पहाड़ी प्रदेश के रास्ते बहुत ही ऊँचे-नीचे हैं। यहाँ पहाड़ों के मोड़ सुनसान और खतरनाक हैं। यहाँ दूर-दूर तक आबादी नहीं होती है। यहाँ एक ओर हिमालय की ऊँची चोटियाँ हैं तो दूसरी ओर नंगे पहाड़ हैं। यहाँ की जलवायु भी अनुपम है। धूप वाले भाग में जहाँ तेज गर्मी पड़ती है वहीं छाया वाले भाग में खूब ठंडक होती है। थोड्ला यहाँ का दुर्गम डाँड़ा है। तिड्री एक विशाल मैदानी भाग है, जिसके चारों ओर पहाड़ है। यहाँ बीच में एक पहाड़ी है जिसे तिड्री समाधि गिरी के नाम से जाना जाता है।
वहाँ की स्थिति हमारे राज्य और शहर से पूर्णतया भिन्न है।
हम राजस्थान जैसे रेगिस्तानी इलाके में रहते हैं। वहाँ गर्मियों में इतनी गर्मी पड़ती है कि बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। बारिश भी कम होती है। पानी-बिजली की भी समस्या रहती है।

d. पशु-पक्षियों को ईश्वर ने एक विशेष शक्ति प्रदान की है जो मनुष्य में नहीं है, वह शक्ति है मूक भाषा में बात करना | हीरा और मोती गहरे मित्र थे। वे एक-दूसरे से बिना कुछ कहे एक-दूसरे के भावों को समझ जाते थे। उनके पास अवश्य कोई ऐसी शक्ति थी, जिससे ऐसा होता था। मनुष्य स्वयं को प्राणियों में श्रेष्ठ मानता है पर उसके पास यह शक्ति नहीं है कि वह दूसरों के मनोभावों को समझ सके।

e. होरी ने आजीवन नेम-धरम का पालन किया। वह अपने नियम-धर्म का पक्का था | उसके इन्हीं नियमों की आड़ लेकर समाज ने उस पर अनेक तरीके से अत्याचार किए और उसे समाज से बहिष्कृत किया | अपने नेम-धर्म के कारण उसने कभी भी मानवीय मूल्यों का तिरस्कार नहीं किया | उसके आजीवन गरीबी का भी यही कारण रहा | उसके यही नेम-धर्म उसके जीवन के बंधन बन गए थे | अंत में यही नेम-धर्म उसे ले डूबे |

20. i. कवि श्रीकृष्ण का सान्निध्य पाने के लिए नाना प्रकार की सुख-सुविधाएँ त्यागने को तैयार है। वह तीनों लोकों के साम्राज्य का सुख, आठों सिद्धियों तथा नौ निधियों के वैभव तथा करोड़ों सोने के महलों का सुख त्यागने को तैयार हैं।

ii. कवि को कृष्ण और उनसे जुड़ी हर वस्तु से विशेष लगाव है। उन वस्तुओं से कृष्ण की यादें जुड़ी हुई हैं। ऐसी वस्तुओं को

देखने, छूने से कवि को कृष्ण की निकटता का अनुभव होता है , इसलिए वह ब्रज के वन-बाग और तालाब देखना चाहता है।

iii. काव्यांश से कवि के बारे में पता चलता है कि वे श्री कृष्ण के अनन्य भक्त हैं और कृष्ण से जुड़ी प्रत्येक वस्तु उन्हें कृष्ण की समीपता का अहसास कराती हैं |

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. कवयित्री परमात्मा को साहब मानती है, जो भवसागर से पार करने में समर्थ हैं। वह साहब को पहचानने का यह उपाय बताती है कि मनुष्य को आत्मज्ञानी होना चाहिए। वह अपने विषय में जानकर ही साहब को पहचान सकता है।

b. उक्त पंक्ति के माध्यम से कवि ने हिंदू और मुसलमानों की उपासना पद्धति पर यह व्यंग्य किया है कि हिंदू आजीवन राम-राम जपते हुए तथा मुसलमान खुदा-खुदा कहते हुए चल बसते हैं। राम-रहीम के चक्कर में पड़कर वे धार्मिक रूप से कट्टर हो जातेहैं | अपने ईश्वर को दूसरे से श्रेष्ठ बताने के चक्कर में वे दूसरे की निंदा करने लगते हैं और स्वयं कुछ नहीं कर पाते |

c. कवि को कोयल से इसलिए ईर्ष्या हो रही है क्योंकि कोयल स्वतंत्रतापूर्वक नीले आसमान में अपनी उड़ान भर रही है जबकि कवि का संसार दस फुट की कोठरी में सिमट कर रह गया है। जहाँ कोयल ने पेड़ की हरी-भरी डाली पर अपना घोंसला बनाया हुआ है वहीं कवि को काल कोठरी में रहना पड़ रहा है। कोयल को अपने गीतों पर प्रशंसा सुनने को मिलती है पर कवि का तो रोना भी गुनाह माना जाता है।

d. कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की निम्नलिखित मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं-

i. कोयल बाग-बगीचों में पेड़ पर अपने मधुर गीत गाया करती थी।

ii. वह दिन के समय अर्थात् प्रातःकाल अथवा दिन ढले गीत सुनाया करती थी।

iii. कवि जब अर्द्धरात्रि को कोयल का वेदनापूर्ण गीत सुनता है तो यूँ असमय कोयल का गीत गाना उसे विचित्र-सा लग रहा है।

e. कवि रसखान ब्रजभूमि पर ही बार-बार जन्म लेना चाहते हैं। वे अगले जन्म में चाहे मनुष्य बने, पक्षी बनें या पत्थर, वे ब्रज में ही जन्म लेने की अभिलाषा रखते हैं। श्रीकृष्ण ने जिस बाग, बगीचों और तालाबों के आसपास अपनी गाएँ चराई थीं, उनको निहारते रहना चाहते हैं। वे नंदबाबा की गायों को चराने के बदले आठों सिद्धियों और नवों निधियों के सुख भूलना चाहते हैं तथा करील के कुंजों से जुड़ी वस्तुओं से बहुत प्यार करते हैं।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने बच्चों के काम पर जाने की समस्या को प्रमुखता से उभारा है। उन्होंने समाज से प्रश्न किया है कि ऐसा क्या हो गया कि बच्चों को पढ़ने-लिखने की उम्र में काम पर जाना पड़ रहा है। समाज के लोग यह सब देखकर भी चुप बैठे हैं। कवि को समाज की यह संवेदनहीनता और भावशून्यता बड़ी ही भयानक लगती है। कवि समाज की इस संवेदनहीनता तथा भावशून्यता को दूर करना चाहता है। वह चाहता है कि समाज इन बच्चों के बारे में कुछ सोचे और उन्हें बाल-मजदूरी से छुटकारा दिलाए जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। सभी लोग मिलकर बच्चों को पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने का अवसर प्रदान कराएँ जिससे पढ़-लिखकर यही बच्चे कल देश के सुयोग्य नागरिक बन सकें।

b. एक बार जब हवेली के सारे पुरुष बारात में गए थे और औरतें रतजगा मना रही थीं। ऐसे में दादी माँ एक कमरे में सोई थीं। इसी समय एक चोर सेंध लगाकर घर में घुस आया। दादी माँ की आँख खुल गई। उन्होंने पूछा “कौन”? चोर ने जवाब

दिया, “जी माँ।” दादी ने उसे कुएँ से पानी लाने भेज दिया। हड़बड़ाया चोर पानी लाने चला गया। पानी लेकर लौटते समय उसे पहरेदार ने पकड़ लिया। दादी ने लोटे का आधा पानी स्वयं पीया और आधा पानी चोर को पिलाकर कहा, “आज से हम दोनों माँ-बेटे हुए, चाहे तो तू चोरी कर चाहे खेती।” चोर ने उसी समय से चोरी का धंधा छोड़कर खेती करने लगा। इस प्रकार उसका जीवन बदल गया।

c. जिस प्रकार मानव शरीर में रीढ़ की हड्डी (बैकबोन) अत्यंत महत्वपूर्ण अंग होता है, जिसके अभाव में या कमजोर होने पर व्यक्ति सीधा खड़ा भी नहीं हो सकता है। व्यक्ति को सीधा खड़ा होने के लिए रीढ़ की हड्डी की मजबूती आवश्यक है। उसी प्रकार समाज में नारी को ‘रीढ़ की हड्डी’ जैसा महत्त्वपूर्ण स्थान है। समाज में नारी को उचित स्थान न मिल पाना, समाज की 'बैकबोन' को कमजोर करता है। नारी की उन्नति तथा समाज में उचित स्थान दिए बिना समाज मजबूत नहीं है।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में आने वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।

विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि को बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

b. **कंप्यूटर हमारा मित्र**

ऑक्सफॉर्ड डिक्शनरी के अनुसार, "कंप्यूटर एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो अनेक प्रकार की तर्कपूर्ण गणनाओं के लिए प्रयोग किया जाता है।" कंप्यूटर बिजली से चलने वाली मशीन है, जिसकी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है- इनपुट, प्रोसेस, आउटपुट अर्थात् जब हम कंप्यूटर में कोई डाटा इनपुट करते हैं, तो कंप्यूटर उस डाटा को प्रोसेस करके प्रयोगकर्ता को आउटपुट प्रदान करता है।

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को सरल बना दिया है। कंप्यूटर बड़े से बड़े काम को कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। कंप्यूटर प्रत्येक वर्ग के जीवन का एक अनिवार्य अंग है। बच्चे हों या युवा, प्रौढ़ हों या बुजुर्ग कंप्यूटर ने सभी वर्गों में अपनी | अनिवार्यता सिद्ध कर दी है। विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर वर्तमान समय में बहु उपयोगी साधन प्रतीत होता है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामान्य ज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। पढ़ाई-लिखाई से लेकर मनोरंजन आदि तक के लिए कंप्यूटर अपनी महता को दर्शाता है। इन सभी के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा इसका गलत ढंग से प्रयोग किया जाता है, जिसके कारण वे अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं और जीवन को बर्बाद कर लेते हैं। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अपने मित्र की भाँति करना चाहिए, जिससे वे अधिकाधिक

लाभ अर्जित कर सकें। कंप्यूटर का गलत ढंग से उपयोग करने से विद्यार्थियों को बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अच्छी चीजों को ढूंढने, अध्ययन आदि करने हेतु करना चाहिए।

c. **मेरे जीवन का लक्ष्य**

जीवन में निश्चित सफलता के लिए एक निश्चित लक्ष्य को होना भी अत्यंत आवश्यक है। जिस तरह निश्चित गंतव्य तय किए बिना, चलते रहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता, उसी तरह लक्ष्य विहीन जीवन भी निरर्थक होता है।
एक व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप अपने लक्ष्य का चयन करना चाहिए। जहाँ तक मेरे जीवन के लक्ष्य की बात है, तो मुझे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक रहा है, इसलिए मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है।
मैं शिक्षक बनकर समाज हित में ग्रामीण क्षेत्र में नियुक्ति प्राप्त करना चाहूँगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे एवं समर्पित शिक्षकों का अभाव है। एक आदर्श शिक्षक के रूप में मैं धार्मिक कट्टरता, प्राइवेट ट्यूशन, नशाखोरी आदि से बचाने हेतु सभी छात्रों का उचित मार्गदर्शन करूँगा। मैं सही समय पर विद्यालय जाऊँगा और अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करूँगा। शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग करूँगा, साथ ही छात्रों को हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा। छात्रों पर नियंत्रण रखने के लिए शैक्षणिक मनोविज्ञान का अच्छा ज्ञान प्राप्त करूँगा। मुझे आज के समाज की आवश्यकताओं का ज्ञान है, इसलिए मैं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों का ज्ञान कराऊँगा। अतः मेरे जीवन का लक्ष्य होगा आदर्श शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना तथा देश के विकास में योगदान देना।

24. A-2/75,
कावेरी अपार्टमेंट,
द्वारका, दिल्ली।
04 मार्च, 2019
प्रिय मोहित,
सादर नमस्ते। तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हारी कुशलता जानकर बड़ी खुशी हुई। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ।
मित्र, यहाँ मई-जून के महीने में विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश हो जाता है। मैं चाहता हूँ कि इस ग्रीष्मावकाश में तुम भारत आ जाओ ताकि हम दोनों साथ-साथ छुट्टियाँ बिताएँ। यहाँ मैदानी भागों में गर्मी अधिक पड़ती है, इसलिए हम पर्वतीय स्थल के भ्रमण का कार्यक्रम बनाएँगे। मैंने सोचा है तुमको भारत के सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड का भ्रमण कराऊँ। पर्वतीय स्थल होने के कारण यहाँ की जलवायु समशीतोष्ण रहती है। यहाँ देहरादून, ऋषिकेश, सहस्त्रधारा, लक्ष्मण झूला, मसूरी, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे अनेक दर्शनीय स्थल हैं जो अपनी प्राकृतिक सुषमा से जन-मन हर लेते हैं। देहरादून स्थित गायत्री आश्रम में बैठकर शांति की अनुभूति होती है, तो कैंपटी फॉल से गिरते झरनों की धवल झाग बरबस मन को हर लेती है। मैंने तो इन्हें देख रखा है पर तुम्हारे साथ देखने का आनंद कुछ और ही होगा। अपने आने के कार्यक्रम के बारे में अवश्य अवगत कराना ताकि मैं आवश्यक तैयारी कर सकूँ।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना। शेष सब ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र,

राहुल

OR

प्रधानाचार्य जी,
डी.पी.एस.,
गुलाबीबाग, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
विषय: प्रवेश के संबंध में
श्रीमान जी,
सविनय निवेदन यह है कि मैं क.ख.ग. पब्लिक स्कूल आगरा में नौवीं कक्षा का विद्यार्थी था। मेरे पिता जी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की आगरा-ज़िला शाखा में कार्यरत थे। गत सप्ताह उनका स्थानांतरण दिल्ली की शक्तिनगर शाखा में हो गया है। अब मैं सपरिवार गुलाबी नगर के डी.डी.ए. फ्लैट में रह रहा हूँ। मेरे निवास से यह विद्यालय निकटतम है। मैं इस विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम की नौवीं कक्षा में प्रवेश लेना चाहता हूँ।
आपसे प्रार्थना है कि मुझे इस विद्यालय की नौवीं कक्षा के अंग्रेज़ी माध्यम वाले सेक्शन में प्रवेश देने की कृपा करें। मैं आपका आभारी रहूँगा।
धन्यवाद सहित।
भवदीय
रत्नाकर
गुलाबी बाग, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019

25. **प्रेरणा** - माँ, उधर देखो! कितना कचरा जमा पड़ा है। लगता है जैसे हफ़्तों से सफाई ही नहीं हुई है |

माँ - हाँ बेटी! मुझे भी ऐसा ही लग रहा है | इसी कचरे को साफ करने के लिए तो वर्तमान प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाया है।

प्रेरणा -माँ, क्या इस स्वच्छता अभियान से हमारा मोहल्ला साफ सफ़ाई वाला हो जाएगा?

माँ - हाँ, बेटी! पर इसके लिए स्वच्छता अभियान में तुमको, मुझे और समस्त मोहल्लेवासियों को भाग लेना पड़ेगा।

प्रेरणा - किस तरह का भाग माँ?

माँ - बेटी, हमें जहाँ कहीं भी गंदगी मिले उसे तुरंत साफ करना होगा। हमें अपने आस-पास के लोगों को स्वच्छता से अवगत कराना होगा ....और ....

प्रेरणा - ...... और माँ हमें जगह-जगह पर रखे हुए कूड़ेदान का प्रयोग करना होगा।

माँ - हाँ बेटी! अब तुम भी ये बात समझ गई हो। तुम भी अपने दोस्तों को स्वच्छता से अवगत कराओं।

प्रेरणा- ठीक है माँ, मैं आज शाम को अपने मित्रों को एकत्रित कर स्वच्छता के लाभों से अवगत कराऊँगी।

माँ- ऐसा करके तुम स्वच्छ माहौल बनाने में अपनी भागीदारी निभाओ।

प्रेरणा- ठीक है माँ, मैं ऐसा ही करूँगी।

OR

टिकट विक्रेता - कहाँ जाना है?

यात्री - भैया, मुझे इलाहाबाद जाना है ।

टिकट विक्रेता - इलाहाबाद जानेवाली गाड़ी तो अभी दस मिनट पहले ही चली गई है। आपको कौन-सी गाड़ी का टिकट दूँ?

यात्री - अगली गाड़ी कितने बजे जाएगी ? मुझे आवश्यक काम था इसलिए जल्दी पहुँचना है।

टिकट विक्रेता - अभी आधे घंटे में दूसरी गाड़ी जाएगी। आप कहे तो उसका टिकट दे दूँ पर वह डीलक्स सुपर फास्ट गाड़ी है, उसका किराया 250 रुपये ज्यादा लगेगा।

यात्री - ये तो बहुत ज्यादा है, मैं अभी सोचकर बताता हूँ |

टिकट विक्रेता - जल्दी करो, कहीं ऐसा न हो कि यह गाड़ी भी छूट जाए।

यात्री - ठीक है, अब जाना भी जरुरी है | आप एक काम कीजिए ,दो टिकट इसी गाड़ी के दे दो।

टिकट विक्रेता - लाइए 500 रुपये दीजिए।

यात्री - ये लीजिए 1000 रुपये।

टिकट विक्रेता - ये लीजिये आपकी दो टिकटें और बाकी पैसे।

यात्री - आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, भाई साहब |

26. **एक नदी का दुख**

मैं एक नदी हूँ। मैं सारे संसार के लिए बहुत आवश्यक हूँ क्योंकि मैं पानी का एक स्रोत हूँ और जीवन में पानी बहुत अमूल्य धरोहर है। सभी को मेरी जरूरत है चाहे वो मनुष्य हो चाहे पेड़, पौधें और खेत हों। मैं हर जगह पर मौजूद हूँ, लेकिन अलग अलग नामों से जानी जाती हूँ। एक समय था जब मैं पूरी तरह स्वच्छ और निर्मल हुआ करती थी और एक आज का समय है जब मैं गंदगी से भर दी गई हूँ। मानव ने कूड़ा-कचरा डाल कर मेरे जल को हानिकारक बना दिया है। इंसान ने अपने जरूरत के समय मेरा उपयोग किया और अब मुझे एक कचरे का ढेर बना दिया गया है।

इसका नुकसान मेरे जल में रहने वाले जीवों के साथ पूरे संसार को है। लेकिन मैं अपना यह दुख किसी से नहीं कह सकती हूँ।

OR

जैसी करनी वैसी भरनी

ये उस समय की बात है जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मैं औसत वाला लड़का था। मेरी कक्षा में एक और लड़का था, जो पूरे स्कूल में अव्वल आता था। सारे शिक्षक भी उसकी तारीफ करते रहते थे। उसके प्रति मेरे मन में ईर्ष्या की भावना रहती थी। मैं ऐसे मौके की तलाश में रहता था, जब मैं उसे नीचा दिखा सकूँ। बहुत जल्द ही वो मौका मेरे सामने आ गया। हमारे स्कूल में एक परीक्षा का आयोजन हुआ, इसमें उत्तीर्ण होने वालों को सम्मानित किया जाता और आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृति मिलने

वाली थी। मेरी चालाकी से उसके पास से नकल करने का कुछ सामान हमारे शिक्षक को मिल गया और उसे परीक्षा से बर्खास्त कर दिया गया। वहाँ पर तो मैं उत्तीर्ण हो गया, लेकिन बहुत जल्द ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ। जब आगे की परीक्षा में मैं उत्तीर्ण नहीं हो पाया और मुझे उससे बाहर कर दिया गया। तब मुझे ये समझ में आ गया कि हम दूसरों के साथ जैसा करते हैं, हमारे साथ भी वैसा ही होता है।